

Shri S. M. Joshi:
Shri Madhu Limaye:
Shri K. M. Madhukar:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether he or the Prime Minister has received any representation from the University Professors and other educationists supporting the idea of setting up the Indo-American Educational Foundation;

(b) when this memorandum was received; and

(c) whether a copy thereof will be laid on the Table?

The Minister of Education (Dr. Triguna Sen): (a) to (c). Government of India have received, from time to time, representations, memoranda and statements from various organisations and individuals in the country both in support of and in opposition to the idea of the setting up of the Indo-American Foundation. Illustrative of these two opposing points of view are: (1) the statement issued by the professors of Delhi University against the Foundation and (2) the memorandum dated the 16th May, 1968 from University professors and educationists in support of the Foundation. A copy of each is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-640/67].

रूसी भाषा की पुस्तकों का अनुवाद

2416. श्री हरबयाल देवगुण : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वैज्ञानिक तथा तकनीकी पारिभाषिक-शब्दावली आयोग ने विभिन्न विषयों पर रूसी भाषा की पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद कराने तथा उन्हें प्रकाशित कराने की एक योजना बनाई है ;

(ख) क्या इस प्रयोजन के लिए कुछ पुस्तकें चुनी गई हैं और अनुवाद कराने के लिए कुछ लोगों को दे दी गई है ;

(ग) यदि हां, तो ये व्यक्ति किस तरीके से चुने गये हैं; और

(घ) इस दिशा में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद): (क) विश्वविद्यालय स्तर के मानक ग्रन्थों को तैयार प्रकाशन तथा अनुवाद करने की योजना के अन्तर्गत वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग विभिन्न विषयों पर रूसी भाषा की पुस्तकों का भी अनुवाद करा कर प्रकाशित करा रहा है ।

(ख) जी हा, लेकिन केवल वही रूसी पुस्तक जिनका अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध नहीं है कुछ लोगों को अनुवाद कराने के लिए दी गई है ।

(ग) इस कार्य के लिए रूसी भाषा जानने और अनुवाद कार्य में रुचि रखने वाले व्यक्तियों से प्रेस विज्ञप्ति द्वारा आवेदन-पत्र मांगे जाते हैं । केवल उन्ही व्यक्तियों को जिन्हें रूसी भाषा में दक्षता प्राप्त है, पुस्तक के विषय का ज्ञान है और हिन्दी भी जानते हैं, इस कार्य के लिए चुने जाते हैं ।

(घ) अभी तक 27 रूसी पुस्तकें अनुवाद के लिए चुनी गई हैं, जिनमें से आठ प्रकाशित हो चुकी हैं, एक छप रही है और शेष, का अनुवाद हो रहा है ।

पत्रकारिता के लिये पारिभाषिक शब्दावली

2417. श्री हरबयाल देवगुण : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ने पत्रकारिता के लिए कोई पारिभाषिक शब्दावली तैयार की है ;